भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1936

जिसका उत्तर 31.07.2025 को दिया जाना है

राष्ट्रीय राजमार्ग 966 पर गहरे गड्ढे

†1936. श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-966 पर, विशेष रूप से पलक्कड़ में ओलावक्कोड-थानावु सड़क खंड पर गहरे गड्ढे ट्रेफिक जाम और दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या पलक्कड़ में पुथुप्परियारम में थानावु जंक्शन से मात्र 250-300 मीटर पूर्व उक्त राजमार्ग पर चौड़ीकरण का कार्य अधूरा छोड़े जाने के कारण उक्त खंड पर अवरोध उत्पन्न हो गया है, जिससे यातायात जाम और दुर्घटनाएँ हो रही हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या ओलावक्कोड और चंद्रनगर के बीच ट्रेफिक जाम को कम करने के लिए उक्त राजमार्ग को चार लेन में परिवर्तित/उन्नत करने की आवश्यकता है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा उपरोक्त सभी मुद्दों के समाधान के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) पलक्कड़ शहर में एनएच-966 पर थानावु और ओलावक्कोड के बीच के खंड के रखरखाव कार्य को दिसंबर 2024 में ₹34.90 लाख की अनुमानित लागत से मंजूरी दी गई थी। बोलीदाताओं की कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण, पाँचवीं कॉल में निविदा को अंतिम रूप दिया गया। यह कार्य शीघ्र ही शुरू होने वाला है और अक्टूबर 2025 तक पूरा होने का लक्ष्य है। थानावु जंक्शन के निकट लगभग 300 मीटर के हिस्से को, चौड़ीकरण के लिए अपर्याप्त मार्गाधिकार (आरओडब्ल्यू) के कारण, नट्टुकल से थानावु तक एनएच-966 के चौड़ीकरण कार्य से बाहर रखा गया था, जिसे जून, 2023 में पूरा किया गया था।

(ग) और (घ) पलक्कड़ और कोझीकोड के बीच चार लेन वाली ग्रीनफील्ड पहुंच नियंत्रित परियोजना का प्रस्ताव, जिसका उद्देश्य मौजूदा एनएच-966 पर भीड़भाड़ कम करना है, विचाराधीन है।

*****